भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5499
बुधवार, 25 मार्च 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप की संवेदनशीलता और जोखिम को कम करने के लिए उठाए गए कदम

†5499. डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश को प्रभावित करने वाले बार-बार आने वाले भूकंपों को समझने के लिए कोई अध्ययन किया है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार ने ऐसे अध्ययनों के लिए विशेष रूप से कोई बजटीय प्रावधान किया है;
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) इस संबंध में संवेदनशीलता तथा जोखिम को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) एवं (ख) जी हां। सरकार ने देश में होने वाले भूकंपों को समझने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययन संचालित किए हैं। ये अध्ययन मुख्य रूप से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) द्वारा अपने संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के साथ-साथ अन्य वैज्ञानिक संस्थानों और शैक्षणिक संगठनों के माध्यम से निष्पादित किए जाते हैं।

ऐसे अध्ययनों के विवरण में राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क (एनएसएन) जिसमें वर्तमान में 169 भूकंपीय वेधशालाएं है, के माध्यम से भूकंपीय गतिविधि की निरंतर निगरानी किया जाना - भूकंप स्रोत मापदण्डों का विश्लेषण, भूकंपीय खतरे का आकलन और प्रमुख शहरों में माइक्रोजोनेशन अध्ययन करना शामिल हैं। सरकार ने क्रस्टल विरूपण, फॉल्ट मैपिंग, पुराभूकंप विज्ञान और भूकंप पूर्ववर्ती अध्ययनों में अनुसंधान परियोजनाओं का भी समर्थन किया है।

(ग) और (घ) जी हां। सरकार ने भूकंप से संबंधित अध्ययनों के लिए बजटीय प्रावधान बनाए हैं। इन अध्ययनों को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत सहयोग दिया जाता है, जिसमें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की पृथ्वी योजना के तहत भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान घटक जैसी व्यापक योजनाएं शामिल हैं। भूकंपीय नेटवर्क, अनुसंधान परियोजनाओं, माइक्रोजोनेशन अध्ययन और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए निधियाँ आवंटित की जाती हैं।

(ङ) भूकंप के जोखिम और संवेदनशीलता को कम करने के संबंध में सरकार की पहल के भाग के रूप में; एनसीएस ने हितधारकों और जनता तक भूकंप की सूचना प्रसारित करने के लिए एनएसएन को इसके विस्तार और आधुनिकीकरण के माध्यम से सुदृढ़ करने के लिए उपाय किए हैं, जो भूकंप आपदा और खतरे के आकलन के प्रति प्रतिक्रिया में सुधार करते हैं। इसके अलावा, एनसीएस ने भूकंप जोखिम आकलन और शमन संबंधी योजना बनाने के लिए उच्च भूकंपीय क्षेत्रों में स्थित लक्षित शहरों के भूकंपीय जोखिम माइक्रोजोनेशन का कार्य भी शुरू किया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) और राज्य सरकारों द्वारा क्षमता निर्माण, जन जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण संबंधी पहलें की जाती हैं।

*****